## मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह

# चित्तौड़गढ़ परिवहन निरीक्षक शकीला बानू ने किया जागरूक

सच मीडिया

**चित्तौड़गढ़।** मेवाड़ विश्वविद्यालय में एनएस इकाई और राजस्थान परिवहन निगम के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। यह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह नागरिकों को यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 11 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए चित्तौड़गढ़ परिवहन निरीक्षक शकीला बानू ने सड़क पर वाहन चलाते वक्त कई आवश्यक सावधानियों क बरतने की सलाह दी। उन्होंने ट्रैफिक नियम के तीन संकेतों के बारे में बताया। सूचनात्मक संकेत, सावधानात्मक संकेत और अतिआवश्यक संकेतो का खासा ध्यान रखते हुए वाहन चलाएं। इसी दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह से ट्रैफिक नियमों के अनुपालन की शपथ भी दिलाई। साथ ही रामेश्वर गर्ग ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा को लेकर कठपुतली का भी प्रदर्शन किया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र ने कहा कि ड्राइविंग करते समय स्पीड को नियंत्रित करके वाहन चलाने चाहिए। ड्राइविंग करते वक्त इयरफ़ोन का इस्तेमाल न करें व पशु-पक्षियों का भी ध्यान रखने की सलाह दी। प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है हमें वाहन चलाते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए। जब भी वाहन चलाएं तो न तो शराब पिएं, न ही मोबाइल इस्तेमाल करें और ना ही किसी गाड़ी को ओवरटेक करें। सीट बेल्ट या हेलमेट का जरूर इस्तेमाल करें। राजस्थान सड़क परिवहन निगम की तरफ से सड़क यातायात के नियमों पक आधारित पुस्तिका का भी वितरण किया गया। संचालन निशू कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन मानविकी व समाज संकाय की अध्यक्ष डॉ. सोनिया सिंगला ने किया। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शिव कुमार, सुप्रिया रानी, गौतम धाकड़ सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह

## चित्तौड़गढ़ परिवहन निरीक्षक शकीला बानू ने किया जागरूक

राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़।** मेवाड़ विश्वविद्यालय में एनएस इकाई और राजस्थान परिवहन निगम के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। यह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह नागरिकों को यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 11 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए चित्तौड़गढ़ परिवहन निरीक्षक शकीला बानू ने सड़क पर वाहन चलाते वक्त कई आवश्यक सावधानियों क बरतने की सलाह दी। उन्होंने ट्रैफिक नियम के तीन संकेतों के बारे में बताया। सूचनात्मक संकेत, सावधानात्मक संकेत और अतिआवश्यक संकेतो का खासा ध्यान रखते हुए वाहन चलाएं। इसी दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह से ट्रैफिक नियमों के अनुपालन की शपथ भी दिलाई। साथ ही रामेश्वर गर्ग ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा को लेकर कठपुतली का भी प्रदर्शन किया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र ने कहा कि ड्राइविंग करते समय स्पीड को नियंत्रित करके वाहन चलाने चाहिए। ड्राइविंग करते वक्त इयरफ़ोन का इस्तेमाल न करें व पशु-पक्षियों का भी ध्यान रखने की सलाह दी। प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है हमें वाहन चलाते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए। जब भी वाहन चलाएं तो न तो शराब पिएं, न ही मोबाइल इस्तेमाल करें और ना ही किसी गाड़ी को ओवरटेक करें। सीट बेल्ट या हेलमेट का जरूर इस्तेमाल करें। राजस्थान सड़क परिवहन निगम की तरफ से सड़क यातायात के नियमों पक आधारित पुस्तिका का भी वितरण किया गया। संचालन निशू कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन मानविकी व समाज संकाय की अध्यक्ष डॉ. सोनिया सिंगला ने किया। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शिव कुमार, सुप्रिया रानी, गौतम धाकड़ सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह

# चित्तौड़गढ़ परिवहन निरीक्षक शकीला बानू ने किया जागरूक

**टूइंडिया न्यूज**

**चित्तौड़गढ़।** मेवाड़ विश्वविद्यालय में एनएस इकाई और राजस्थान परिवहन निगम के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। यह राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह नागरिकों को यातायात के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 11 जनवरी से 17 जनवरी तक मनाया जाता है। मेवाड़ विश्वविद्यालय में बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए चित्तौड़गढ़ परिवहन निरीक्षक शकीला बानू ने सड़क पर वाहन चलाते वक्त कई आवश्यक सावधानियों क बरतने की सलाह दी। उन्होंने ट्रैफिक नियम के तीन संकेतों के बारे में बताया। सूचनात्मक संकेत,

सावधानात्मक संकेत और अतिआवश्यक संकेतो का खासा ध्यान रखते हुए वाहन चलाएं। इसी दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह से ट्रैफिक नियमों के अनुपालन की शपथ भी दिलाई। साथ ही रामेश्वर गर्ग ने अपनी टीम के साथ सड़क सुरक्षा को लेकर कठपुतली का भी प्रदर्शन किया गया। कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्र ने कहा कि ड्राइविंग करते समय स्पीड को नियंत्रित करके वाहन चलाने चाहिए। ड्राइविंग करते वक्त इयरफ़ोन का इस्तेमाल न करें व पशु-पक्षियों का भी ध्यान रखने की सलाह दी।

प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कहा कि जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है हमें वाहन चलाते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए। जब भी वाहन चलाएं तो न तो शराब पिएं, न ही मोबाइल इस्तेमाल करें और ना ही किसी गाड़ी को ओवरटेक करें। सीट बेल्ट या हेलमेट का जरूर इस्तेमाल करें। राजस्थान सड़क परिवहन निगम की तरफ से सड़क यातायात के नियमों पक आधारित पुस्तिका का भी वितरण किया गया। संचालन निशू कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन मानविकी व समाज संकाय की अध्यक्ष डॉ. सोनिया सिंगला ने किया। इस अवसर पर डायरेक्टर एकेडेमिक्स डी. के. शर्मा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शिव कुमार, सुप्रिया रानी, गौतम धाकड़ सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।